

सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड योजना

प्रलिस के लयल:

सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड

मेन्स के लयल:

सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड योजना: वशलषताएँ, लाभ और हानल

चरचा में क्यॉ?

हाल ही में केंद्र सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड (SGB) के लयल कैलेंडर की घोषणा की है, जो अक्तूबर 2021 से मार्च 2022 तक चार चरणों में जारी कयल जाएगा ।

प्रमुख बढल

- **शुरुआत:** सरकार ने सोने की मांग को कम करने और घरेलू बचत के एक हससे (जसका उपयोग स्वर्ण की खरीद के लयल कयल जाता है) को वततीय बचत में बदलने के उद्देश्य से नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड (Sovereign Gold Bond) योजना की शुरुआत की थी ।
- **नरलगमन:** गोल्ड/स्वर्ण बॉण्ड सरकारी प्रतभूता (GS) अधनलयम, 2006 के तहत भारत सरकार के स्टॉक के रूप में जारी कयल जाते हैं ।
 - ये भारत सरकार की ओर से भारतीय रज़रव बैंक द्वारा जारी कयल जाते हैं ।
 - बॉण्ड की बकलरी वाणजलयक बैंकों, स्टॉक होल्डलंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडयल लमलटेड (SHCIL), नामतल डाकघरों (जन्हें अधसूचतल कयल जा सकता है) और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जैसे कल नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडयल लमलटेड तथा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लमलटेड के ज़रयल या तो सीधे अथवा एजेंटों के माध्यम से की जातल है ।
- **पात्रता:** इन बॉण्डों की बकलरी नवलसी व्यक्तलयों, हदू अवभलजतल परवलरों (HUFs), न्यलसों/ट्रस्ट, वशल्वदयललयों और धर्मारथ संस्थानों तक ही सीमतल है ।

वशलषताएँ:

- **वभलचन मूलय:** गोल्ड/स्वर्ण बॉण्ड की कलमत इंडयल बुलयन एंड ज्वेलरस एसोसलएशन (India Bullion and Jewellers Association-IBJA) द्वारा 999 शुद्धता वाले सोने (24 कैरट) के लयल प्रकाशतल मूलय पर आधारतल होतल है ।
- **नवलश सीमा:** गोल्ड बॉण्ड एक ग्राम यूनटल के गुणकों में खरीदे जा सकते हैं जसमें वभलनन नवलशकों के लयल एक नशलचतल सीमा नरधरतल होतल है ।
 - खुदरा (व्यक्तगत) तथा हदू अवभलजतल परवलरों (Hindu Undivided Families- HUFs) के लयल खरीद की अधकलतम 4 कललग्राम है । ट्रस्ट एवं इसी तरह के नकलयों के लयल प्रतलवलतल वर्ष 20 कललग्राम की अधकलतम सीमा लागू होतल है ।
 - संयुक्त धारतल के मामले में 4 कललग्राम की नवलश सीमा केवल प्रथम आवेदक पर लागू होतल है ।
 - न्यूनतम स्वीकार्य नवलश सीमा 1 ग्राम सोना है ।
- **अवधल:** इन बॉण्डों की परपलकवता अवधल 8 वर्ष होतल है तथा 5 वर्ष के बाद इस नवलश से बाहर नकललने का वकलल्प उपलब्ध होतल है ।
- **बयलज दर:** नवलशकों को प्रतलवलरष 2.5 प्रतशलत की नशलचतल बयलज दर लागू होतल है, जो छह माह पर देय होतल है ।
 - आयकर अधनलयम, 1961 के प्रावधान के अनुसार, गोल्ड बॉण्ड पर प्राप्त होने वाले बयलज पर कर/टैक्स अदा करना होगा ।

लाभ:

- ःरण के लयल बॉण्ड का उपयोग संपारश्वकल (जमानत या गारंटी) के रूप में कयल जा सकता है ।
- कसल भी व्यक्तल को सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड (SGB) के वभलचन पर होने वाले पूंजगत लाभ को कर मुक्त कर दयल गया है ।
 - वभलचन (Redemption) का तात्पर्य एक जारीकर्त्ता द्वारा परपलकवता पर या उससे पहले बॉण्ड की पुनरखरीद के कार्य से है ।
 - पूंजगत लाभ (Capital Gain) स्टॉक, बॉण्ड या अचल संपत्तल जलसी संपत्तल की बकलरी पर अरजतल लाभ है । यह तब प्राप्त होतल है जब

कसीं संपत्तिका वक्रिय मूल्य उसके करय मूल्य से अधकि हो जाता है ।

SGB में नविश के नुकसान:

- यह भौतिक स्वर्ण (जसै तुरंत बेचा जा सकता है) के वपिरीत एक **दीर्घकालकि नविश** है ।
- सॉवरेन गोलड बॉण्ड **एक्सचेंज पर सूचीबद्ध** होते हैं लेकिन इनका **ट्रेडिंग वॉल्यूम ज़्यादा नहीं होता** , इसलिये परपिक्वता से पहले बाहर नकिलना मुश्कलि होगा ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/sovereign-gold-bond-scheme-4>

